

प्रभक,  
एसओएसओरिदया  
उपसचिव,  
उत्तरांचल शासन।  
सेवा में,  
निदेशक,  
खेल निदेशालय,  
उत्तरांचल।  
खेल अनुमान

देहरादून दिनांक : ०८ फरवरी, 2007

विषय:- कोटद्वार स्टेडियम में हाकी ग्राउण्ड का निर्माण तथा स्टेडियम का समतलीकरण एवं सुरक्षा कार्य हेतु धनावंदन के सम्बंध में।

महोदय,  
उपर्युक्त विषयक खेल निदेशालय के पत्र संख्या-2619/मु0म0धो0प0/2006-07/दे0दून दिनांक-17, अक्टूबर, 2006 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि विल विभाग टी0ए0सी0 द्वारा अनुमोदित औचित्यपूर्ण धनराशि रुपये 101.40 लाख की विलीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान करते हुए विलीय वर्ष 2006-07 में रुपये 62.56 लाख की धनराशि निम्नलिखित शर्तों के आधार पर श्री राज्यपाल महोदय व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1) आगमन में उल्लिखित दरों का विरलेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरे बिडपूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं है, अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता को अनुमोदन आवश्यक है।

ii) कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगमन/मानविन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधानित स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधानित स्वीकृति के कार्य प्रारम्भ न किया जाय।

iii) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नाम है, स्वीकृत नाम से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।

iv) एक भूतल प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगमन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक होगा।

v) कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकताएं तकनीकी दृष्टि के मध्य नजर रखते एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विधिस्थियों के अनुरूप ही कार्य को सम्पादित कराते समय पालन करना सुनिश्चित करें।

vi) कार्य करने से पूर्व स्थल का भली-भांति निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाय।

vii) आगमन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाए एक एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाए।

viii) निर्माण सामग्री प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपर्युक्त प्राप्ति जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाय।

(IX) मुख्य सचिव, उत्तरांचल के शासनादेश संख्या-2047 XIV-219 (2006) दिनांक-30 मई 2006 द्वारा निर्गत

आदेशों के कम में कार्य कराने समय अथवा आगमन गठित करके समय कड़ाई से पालन करने का कष्ट करें।

2. उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबंध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मिलव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं दता है, जिसे व्यय करने के लिए बजट में अनुमति या वित्तीय हस्त प्रविष्टिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने चाहिए। व्यय में मिलव्ययता निगान आवश्यक है। व्यय करते समय मिलव्ययता के सम्बंध में समय-समय पर जारी किए गये शासनादेशों में निहित निर्देश का कड़ाई से अनुपालन किया जाय।

3- इस सम्बंध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2006-07 के अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्षक 4202-शिक्षा खलकंद तथा संस्कृति पर पूर्णगत परियोजना (कमशः)-03-खलकंद तथा युवक सेवा खलकंद स्टेडियम-102-खलकंद स्टेडियम (लेख शीर्षक-108 के स्थान पर)-00-05-स्पोर्ट्स स्टेडियम का निर्माण (चालू कार्य)-24-वृहद निर्माण कार्य आयोजनगत पक्ष के मानक मद के नामों द्वारा जायेगा।

उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अध्यासकीय पत्र संख्या-1281/वित्त अगु-3/2007 दिनांक-01 फरवरी, 2007, में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।

भवदीय,

(एसओएसओवित्तिया)  
उपसचिव

पुष्पांकन संख्या- 03 /VI-I/2007 तदतिनांकित।

प्रतिलिपि :-

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड, ओबाराय बिल्डिंग, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल शासन।
3. निजी सचिव, मा० खेल मंत्री, उत्तरांचल शासन।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल।
5. जिलाधिकारी, डी.डी.।
6. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
7. बजट राजकोषीय नियोजन व संसाधन निदेशालय सचिवालय, देहरादून।
8. निदेशक राष्ट्रीय योजना केन्द्र, देहरादून।
9. अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्ता सेवा, देहरादून।
10. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन, देहरादून।
11. गाई फाइल।

आज्ञा से,

(एसओएसओवित्तिया)

उपसचिव

080207009